



Gurvinder Singh

29 Sep 1982

Model: Numerology-Report

Order No: 121443901

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 121443901

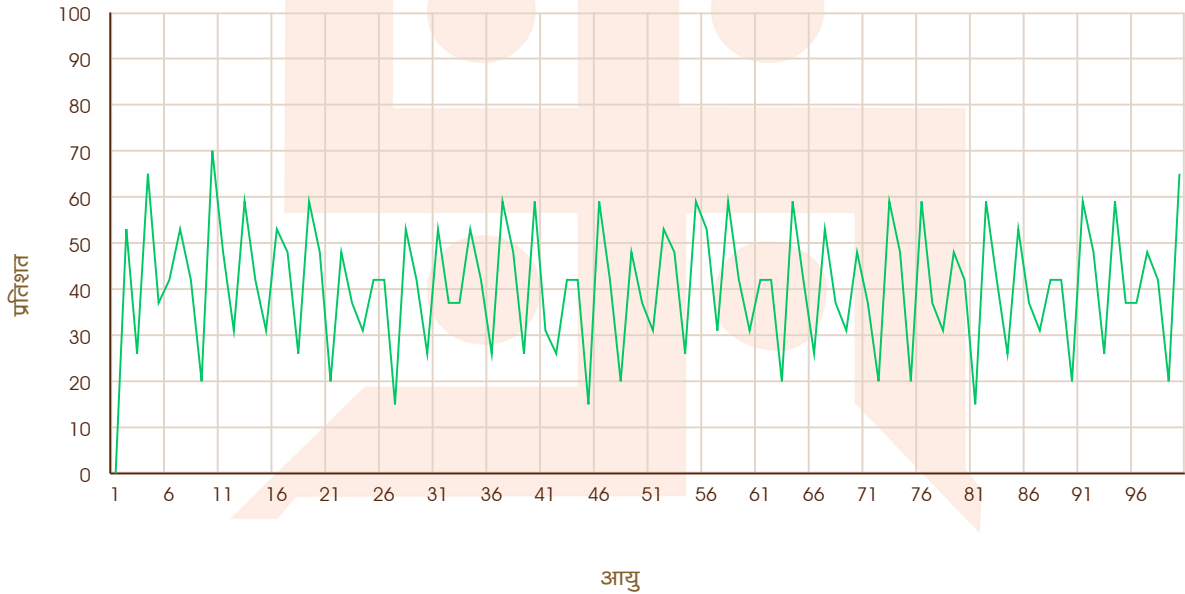
Date: 01/03/2026

नाम	Gurvinder Singh
जन्म तिथि	29/09/1982
मूलांक	2
भाग्यांक	4
नामांक	6
मूलांक स्वामी	चन्द्र
भाग्यांक स्वामी	हर्षल/राहु
नामांक स्वामी	शुक्र
मित्र अंक	7, 9, 4
शत्रु अंक	5, 8
सम अंक	1, 3, 6
मुख्य वर्ष	1991,2000,2009,2018,2027,2036,2045,2054
शुभ आयु	9,18,27,36,45,54,63,72
शुभ वार	सोम, रवि, शुक्र
शुभ मास	फर, जुला, सित
शुभ तारीख	2, 11, 20, 29
शुभ रत्न	मोती
शुभ उपरत्न	चन्द्रमणि
अनुकूल देव	शिव
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	श्वेत
मंत्र	ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः
शुभ यंत्र	चन्द्र यंत्र

7	2	9
8	6	4
3	10	5

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 1991,2000,2009,2018,2027,2036,2045,2054

शुभ आयु 9,18,27,36,45,54,63,72

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 29 होने से दो और नौ के योग से ग्यारह तथा एक धन एक के योग से दो आपका मूलांक होता है। मूलांक दो का स्वामी चन्द्रग्रह है। अंक नौ का स्वामी मंगल तथा योग ग्यारह के अंक एक का स्वामी सूर्य ग्रह हैं। अतः आपके जीवन में चन्द्र, मंगल तथा सूर्य ग्रह का मिलाजुला फल दृष्टिगोचर होगा।

मूलांक दो के स्वामी चन्द्र के प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति बहुत अच्छी रहेगी। आप स्नेहशील, भावुक तथा कला के क्षेत्र में रुचि रखने वाले व्यक्ति होंगे। जिस तरह चन्द्रमा घटता-बढ़ता रहता है उसी तरह आपके जीवन में काफी उतार-चढ़ाव आयेंगे। कभी आप पूर्णिमा की तरह प्रफुल्लित होंगे तो कभी अमावस्या के अंधकार में डूब जायेंगे। अतः आपको अपने जीवन में धैर्य, धीरज रखने की अति आवश्यकता है।

आपमें बदलाव की प्रकृति होने से एक कार्य को बीच में ही अधूरा छोड़ दूसरे कार्य में रुचि लेने की प्रवृत्ति पाई जायेगी। इससे कई बार आपके कार्य देर से बनेंगे और एकाधबार तो कार्य बिगड़ ही जाया करेंगे। अतः आपको अपने ऊपर भरोसा रखना होगा और कठिन समय में आत्म विश्वास बनाये रखना होगा तभी आप सांसारिक सफलताएं पूर्ण रूपेण प्राप्त करेंगे।

अंक नौ के स्वामी मंगल के प्रभाव से आपके अन्दर नेतृत्व करने की क्षमता का विकास होगा। आप समाज के विभिन्न क्षेत्रों में मुखिया के रूप में कार्य करेंगे। साहस एवं पराक्रम के कार्यों में सहयोग देंगे। अंक एक के स्वामी सूर्य के प्रभाव से आप महत्वाकांक्षी एवं उदीयमान व्यक्ति के रूप में पहचान स्थापित करेंगे

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के हिमायती होंगे एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रुढ़ि वादिता से थोड़े दूर तथा आधुनिक होंगे।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगे। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।

आपका मूलांक 2 है तथा भाग्यांक 4 है। मूलांक 2 के स्वामी चंद्र तथा भाग्यांक स्वामी हर्षल के मध्य सम संबंध है। इसके प्रभाववश आपकी कल्पना शक्ति विस्फोटक, आश्चर्यजनक एवं तीव्र गति वाली हो जाएगी। चंद्रमा के प्रभाव से जहां आप एक सहिष्णु व्यक्ति

होंगे, वहीं हर्षल के प्रभाववश आपकी प्रकृति विध्वंसात्मक रहेगी, जो आपके भाग्योदय में रुकावट का कारण बनेगी। आपके रोजगार, व्यापार में कई बार परिवर्तन होंगे। कुछ एक ऐसी असंभावित घटनाएं होंगी, जो आपकी विचारधारा तथा रोजगार-व्यापार के क्षेत्र को बदल देंगी। रोजगार के क्षेत्र में आप धीरे-धीरे एक संघर्षशील व्यक्ति के रूप में उच्चता को प्राप्त करेंगे। आपके अंदर रोजगार के क्षेत्र में शीघ्र उन्नति प्राप्त करने की कल्पना शक्ति या कला तो अच्छी रहेगी, लेकिन क्रियान्वयन के समय अधीरतावश आप कई बार अपना नुकसान भी कर लेंगे। अपनी इस प्रकृति पर अंकुश रखना आपके भविष्य के लिए सुखदायी रहेगा।

आपका भाग्योदय 22 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ हो कर 31 वर्ष की अवस्था पर विशेष उन्नति प्राप्त करेगा तथा 40 वर्ष की अवस्था पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 2 की मित्रता 7 एवं 9 से है तथा भाग्यांक 4 की मित्रता 1 एवं 8 से है। अतः आपके जीवन में 1, 2, 4, 7, 8, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, फरवरी, अप्रैल, जुलाई, अगस्त, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक से भी मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 1, 2, 4, 7, 8, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

- 1 . 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73
- 2 . 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65, 74
- 4 . 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67
- 7 . 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70
- 8 . 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71
- 9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।



नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Gurvinder Singh

3+6+2+6+1+5+4+5+2 3+1+5+3+5

नाम का योग : 51 नामांक : 6

आपके नाम का कुल योग इक्यावन है। पाँच एवं एक के योग से छह आपका नामांक होता है। पाँच का स्वामी बुध, एक का स्वामी सूर्य एवं छह का स्वामी शुक्र ग्रह है। इन तीनों ग्रहों के गुण-अवगुण आपके नाम को प्रभावित करेंगे। शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपके अन्दर आकर्षण शक्ति अधिक रहेगी। सुन्दर वस्तुओं एवं सुन्दर मकान में रहना आपको अच्छा लगेगा। बुध के प्रभाव से आप स्वयं का रोजगार स्थापित करेंगे तथा बुद्धि जनित कार्यों में रुचि लेंगे। सूर्य के प्रभाव से आप किसी को वचन देंगे तो उसे निभाने की पूर्ण कोशिश करेंगे तथा आपका नाम उच्चता को प्राप्त करेगा। आप हमेशा दूसरों की सहायता करेंगे। आप जो भी कार्य करेंगे वह स्वतन्त्र एवं निष्पक्ष होगा तथा उसमें हस्तक्षेप पसंद नहीं करेंगे। समाज में आपके संबंध मधुर एवं स्थायी रहेंगे। आपको सफलता प्रारंभ से ही मिलेगी जो अन्त तक बनी रहेगी।

आपके नाम का नामांक 6 है। इसका आपके मूलांक 2 एवं भाग्यांक 4 से सम संबंध है। अतः आपको मूलांक स्वामी एवं भाग्यांक स्वामी ग्रहों के शुभ फल आपके नाम को पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं होंगे। इसके प्रभाव से आपका नाम समाज में पूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त करने में असमर्थ रहेगा। यदि आप मूलांक एवं भाग्यांक के ग्रहों का सम्पूर्ण फल प्राप्त करना चाहते हैं तो आप अपने नाम में इस प्रकार से परिवर्तन करें कि आपका नाम आपके मूलांक तथा भाग्यांक के साथ उत्तम तालमेल स्थापित करले। नाम में परिवर्तन करने के कारण आपको मूलांक स्वामी एवं भाग्यांक स्वामी ग्रह के पूर्ण फल प्राप्त होंगे तथा आपका नाम समाज के विभिन्न क्षेत्रों में लोकप्रियता प्राप्त करने में सफल रहेगा।

अपने नाम का अच्छा फल पाना चाहते हैं तो आप ऐसे नाम का चुनाव कीजिये जोकि आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही मिलान करें तथा उसका नामांक 2 आता हो और 5 न हो तो ऐसा नाम आपकी रुकी हुई प्रगति के द्वार खोलेगा तथा आप पूर्ण रूपेण सांसारिक सफलताएं अर्जित करेंगे। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 1,7,9,4 अंक शुभ रहेंगे तथा 3,8 अंक अहितकर होंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा

नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटना:-	GANESHA 3+1+5+5+3+5+1=23=5	GANESH 3+1+5+5+3+5=22=4
एक अंक :-	RAM 2+1+4=7	RAMA 2+1+4+1=8
दो अंक :-	BINDRA 2+1+5+4+2+1=15=6	BRINDRA 2+2+1+5+4+2+1=17=8
तीन अंक :-	RAMCHAND 2+1+4+3+5+1+5+4=25=7	RAMCHANDRA 2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28
चार अंक :-	KRISHNA 2+2+1+3+5+5+1=19=1	KRESHNA 2+2+5+3+5+5+1=23=5
पाँच अंक :-	TEWARI 4+5+6+1+2+1=19=1	TIWARI 4+1+6+1+2+1=15=6
छः अंक :-	AGGARWAL 1+3+3+1+2+6+1+3=20=2	AGARWAL 1+3+1+2+6+1+3=17=8

लोशु फल

4	9 9 9	2 2 2
4	9	2
3	5	7
8	1	
8	1	6

लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

अंक 1 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में अंक एक केवल एक ही बार उपस्थित है। अतः आप अपनी अंतस्थ भावनाओं को कठिनता से व्यक्त कर पाते हैं या अपने भीतर के विचार व्यक्त करने में असमर्थ होते हैं। अन्य क्षेत्रों में आपका आचरण भले ही अच्छा हो किन्तु अपने व्यक्तित्व के अंतस्थ भाग को प्रकट करते समय आप व्याकुलता का अनुभव करते हैं और मन की बात कहने में हिचकिचाते हैं। दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण को भी आप प्रायः ठीक प्रकार से समझने में कठिनाई महसूस करते हैं। आपके लिए दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण की प्रशंसा कर पाना भी थोड़ा मुश्किल होता है। विषाद एवं अकेलापन आपको आसानी से घेर लेता है। आप आंकड़ों एवं तथ्यों को इकट्ठा करने तथा संजोने में काफी ध्यान देते हैं, जिससे समय की बर्बादी होती है, तथा कार्य पूर्ण होने में अनावश्यक विलम्ब होता है। सतत विकाश एवं वृद्धि के लिए आपको शांत एवं

सौहार्दपूर्ण वातावरण की आवश्यकता होती है। आप नौकरी अथवा व्यवसाय में काफी हद तक सफल होते हैं, लेकिन व्यावहारिक रूप से दूसरों को न समझा पाने के कारण, या अपनी बातों को स्पष्ट न कर पाने के कारण कुछ असफलता का सामना भी करना पड़ता है।

अंक 2 - तीन बार

आपके लोशु चार्ट में दो अंक तीन बार उपस्थित हैं। आप संवेदनशील, प्रखर बुद्धि के, अंतर्ज्ञानि व्यक्ति हैं, आप अपने अंतर्ज्ञान से अच्छा लाभ लेते हैं, आप एकांकीपन का बोध करते हैं, और अपनी भावनाओं में खोये रहते हैं। अतएव ज्यादा भीड़ में रहने के बजाय आप एकांकी रहना पसंद करते हैं, जिससे आपकी भावनाओं को ठेस न पहुंचे, आप न तो अधिक समय तक एक ही कार्य पर स्थिर रह सकते हैं और न ही लंबे समय तक सोच सकते हैं। आप में रचनात्मकता कूट-कूट कर भरी होती है, और जन्मजात कलाकार होते हैं। आप बुद्धिजीवी व आपके मस्तिष्क के स्तर अधिक सबल एवं स्वस्थ होते हैं, यही कारण है कि आप समाज के लिए अच्छे प्रेरक सिद्ध होते हैं। आपके मन में नित नए-नए विचार आते रहते हैं जिन्हें साकार देने के लिए आप सतत प्रयासरत रहते हैं। आपमें आत्मविश्वास की थोड़ी सी कमी रहती है, फलस्वरूप आप तुरंत कोई निर्णय नहीं ले पाते। सौंदर्य के प्रति आपकी रुचि परिष्कृत होती है। प्रेम और सौंदर्य के क्षेत्र में आप महारथी कहे जा सकते हैं। दूसरों को सम्मोहित करने की कला में आप प्रवीण होते हैं। अपरिचित से अपरिचित व्यक्ति को परिचित बना लेना आपके बाएं हाथ का खेल होता है।

अंक 3 - अनुपस्थित

लोशु चार्ट में अंक तीन की अनुपस्थिति हो तो गुरु जनों व ईश्वर की कृपा कम प्राप्त होती है। आत्मविश्वास की कमी रहती है, विचलित होने पर आप तार्किक रूप से नहीं सोच पाते, जिसके कारण आप स्वयं को व्यक्त करने में कठिनाई का अनुभव करते हैं। आपमें स्वयं की योग्यता को कम करके आंकने व स्वयं को न जताने की प्रवृत्ति भी होती है। विपत्ति के समय आप उचित प्रकार से सोच नहीं पाते और अधिक मेहनत करने के बाद उद्देश्य की प्राप्ति होती है। अपनी कल्पनाओं के अंदर खोये रहते हैं, अक्षर दूसरों के साथ अच्छे सम्बन्ध नहीं बना पाते, आप अधिक दूर की नहीं सोच पाते, आपकी मानसिक क्षमता कमजोर होती है। जिस कारण आपको अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आपकी कल्पनाशक्ति और ज्ञान कम होता है। आपके पास दूरदर्शिता भी नहीं रहती, यह मानसिक, शारीरिक, और आर्थिक तंगी में हालत से लड़ नहीं पाते। आप जल्दी परेशान हो जाते हैं, आपकी अध्यात्म और ज्ञान के विषय में रुचि नहीं रहती। आपको आवश्यकता इस बात की है कि आप स्वयं को स्वीकार कर आगे बढ़ें और धीरे-धीरे आत्मविश्वास व आत्मसम्मान में बढ़ोतरी करें।

अंक 4 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में चार अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप व्यावहारिक व हस्त कौशल में निपुण हैं, आप ऐसे व्यवसाय को पसंद करते हैं, जिसमें आप अपने हाथों से कार्य कर सकें, आप कल्पनाशील योजनाओं व सिद्धांतों से चिढ़ते हैं। आपमें दूसरों को संगठित करने

और योजनाओं को पूर्णता तक पहुँचाने की क्षमता प्रकृति-प्रदत्त होती है। आप लोगों की संगीत व हस्त-शिल्प आदि कलाओं में भी गहरी रुचि होती है। आप अपनी कार्यक्षमता को अच्छे रूप से दूसरों के समक्ष रखने में सक्षम हैं। आप सामान्यतया व्यवहार कुशल हो और कठिन परिस्थितियों व गंभीर मसलों को कूटनीति से सुलझाने में दक्ष हो। आपका स्वभाव शांत और कार्यों को पूरा करने में चतुराई से काम लेते हो।

अंक 5 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 5 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप लक्ष्य निर्धारण में कठिनाई का अनुभव करते हैं, और आपमें बहुमुखी प्रतिभा व इच्छा शक्ति का अभाव होता है। आप वार्तालाप करने में असफल, पढ़ने में मन न लगना व पैसे का अभाव बना रहता है। आप जल्दी ही धैर्य छोड़ देते हैं, सफलता भी आसानी से नहीं मिलती, क्योंकि इनका बात करने का ढंग अच्छा नहीं होता है। चोट-चपेट और दुर्घटनाओं का दुर्योग बनता है। शस्त्राघात व दुर्घटना की संभावना जीवन में हमेशा रहती है। आपको हमेशा ही वाहन आदि सावधानी से चलने चाहिए। आपको अपने व्यक्तिगत जीवन में कई चुनौतियों और उतार-चढ़ावों का सामना करना पड़ता है। कई कार्यों में असफलता प्राप्त होती है, आपके पारिवारिक जीवन में उथल-पुथल मची रहती है। आपको दूसरों से सतत प्रेरणा की आवश्यकता होती है। ऐसे में आपको चाहिए कि यथार्थ लक्ष्य को निर्धारित करना सीखें, और उसे प्राप्त करने के पश्चात् ही अगले लक्ष्य कि ओर बढ़ें। अंक पांच की चार्ट में अनुपस्थिति सामान्य है।

अंक 6 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 6 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप स्वयं में आत्म-समर्पण की भावना उत्पन्न करें, आपमें अपनी अन्तर्भावनाओं को दूसरों से छिपाकर रखने की प्रवृत्ति होती है। इस प्रवृत्ति का कारण होता है, अपने माता अथवा पिता के साथ जीवन के प्रारम्भ में अच्छे सम्बन्ध, फलस्वरूप आपको तब तक अपने संबंधों में अनिश्चतता का सामना करना पड़ता है। जब तक कि आप हृदय से उन्मुक्त व उदार होना नहीं सीख लेते हैं। चिंता और तनाव आप लोगों के लिए विषमताओं के कारण हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, आपको पारिवारिक सहयोग मिलने में परेशानी आती है। आपका भी बच्चों और परिवार के प्रति लगाव कम होता है, आप लोगों की मदद तो करते हैं। लेकिन खुद के लिए मदद नहीं मिलती, दोस्तों की मदद नहीं मिलती, आपको भौतिक तथा पारिवारिक सुख व भोग विलास की कमी रहती है। आप जीवन के सकारात्मक पक्ष की अपेक्षा नकारात्मक पक्ष की ओर अधिक ध्यान देते हैं। आपको कभी भी विदेश से सम्बंधित काम नहीं करना चाहिए।

अंक 7 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में सात का अंक अनुपस्थित है। अतः आपको दूसरे लोगों की भावनाओं के प्रति अविवेक की प्रवृत्ति होती है। आप अपने दैनिक जीवन में अव्यवस्थित होते हैं। आपके कामों व पढ़ाई में रुकावट आती है। यह अंक मध्यम में होने के कारण सभी अंकों का आधार अंक है। आपकी आध्यात्मिक अथवा आत्मज्ञान सम्बन्धी बातों में कोई अभिरुचि नहीं होती।

आत्मविश्वास की कमी के कारण आप एकांकी रहना भी पसंद नहीं करते, अत्यधिक स्वतंत्रता, तर्क तथा सहृदयता की कमी आपको अलोकप्रिय बना सकती है। आर्थिक संकट का सामना भी करना पड़ता है। कई बार खुद की कार्य क्षमता में संदेह होने लगता है, कि क्या यह मैं कर पाउंगा या नहीं। आपको पेट के रोग, सिरदर्द, रक्त विकार व फेफड़े सम्बन्धी रोग की संभावना रहती है। आवश्यकता इस बात की है, कि आप अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करना व दूसरों के साथ घुलमिल कर रहना सीखें।

अंक 8 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में आठ अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप न्यायवर्ती, विधिपूर्वक कार्य करने वाले व विवरण संपादन के लिए उपयुक्त होते हैं, लेकिन यह आश्चर्य की बात है, कि आप हाथ में लिए कार्य पूर्ण नहीं कर पाते। आप चपल बुद्धि के स्वामी होते हैं, और नित्य नए विषम कार्य दूढ़ते हैं। आपमें एकाग्रता की कमी होती है, और जीवन में बड़ा संघर्ष करना पड़ता है। फिर भी जीवन में अधिक सफल नहीं हो पाते हैं, इसलिए ये एकाकीपन का अनुभव करते हैं। आपमें बाहरी प्रदर्शन नहीं होता, इसलिए समाज आपको कठोर एवं रूखे हृदय का मानता है। आप अपने मर्जी के मालिक होते हैं तथा कई बार असामान्य व्यवहार प्रदर्शित करते हैं। यदि आप सही रूप में शिक्षित तथा आत्मनियंत्रित नहीं होते तो आप जल्दबाजी में काम करते हैं। जिससे बाद में आपको पछताना पड़ता है, आपके कामों में कई बाधाएं भी आती हैं, और कार्य विलम्ब से पुरे होते हैं।

अंक 9 - तीन बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक तीन बार उपस्थित है। अतः आप आदर्शवादी, बुद्धिमान किन्तु साथ ही साथ स्नेहशील भी होते हैं। आप बहादुर, साहसी और शक्ति के स्वामी हैं, किसी भी परिस्थिति से मुकाबला करने की आपमें शक्ति होती है, आप अनुशासन प्रिय, सिद्धांत के पक्के तथा आज्ञाकारी होते हैं। लेकिन आपको टोकना हानिकारक होता है। आप स्पष्टवादी होते हैं, साफ-साफ बात मुँह पर कह देते हैं, और इसी स्वभाव के कारण आपके बहुत से शत्रु भी बन जाते हैं, आप अपनी आलोचना सहन नहीं करते, जिस काम के पीछे पड़ जाएँ उसे करके ही छोड़ते हैं। आपको स्वतन्त्र रूप से काम करने दिया जाये तो अपने काम से लोगों को आश्चर्यचकित कर देते हैं। आप अतिशयोक्ति तथा राई का पहाड़ बनाने के आदि होते हैं, किन्तु परिपक्व होने पर आप इस प्रवृत्ति पर काबू पा लेते हैं। जब आप अपनी मानसिक क्षमता का उपयोग कर रहे होते हैं तो प्रसन्नचित्त व धनात्मक रहते हैं। किन्तु यदि आप किसी चक्रमार्ग में फँस गए हैं तो शीघ्र उचाट व निराश हो जाते हैं।

बुद्धि के अंक - 4. 9 व 2

आपके लोशु चार्ट में 4. 9 व 2 अंकों की उपस्थिति है। इन अंकों की उपस्थिति से इस अंक की सृष्टि होती है, अतः आप बौद्धिक सामर्थ्य व उत्तम स्मरण शक्ति वाले व्यक्ति हैं, इस अंक के प्रभाव से आप स्पष्ट, न्यायसंगत व विश्लेषण में निपुण हैं, लेकिन कभी-कभी अपने आपको दूसरों से उत्कृष्ट समझते हैं, अधिकांश अपनी ही धुन में मग्न रहते हैं। आपको अपनी प्राचीन

परंपराओं से ज्यादा लगाव नहीं होता है न आप धर्म पर आँख मूँद कर यकीन करते हैं। आप अपनी मंज़िल खुद पाने और अपना रास्ता खुद बनाने में यकीन रखते हैं। आप कुछ मामलों में हठी स्वभाव के हो सकते हैं लेकिन दूसरों के लिए आप एक विश्वासपात्र मित्र के रूप में सामने आते हैं। आप दिखावे और चापलूसी में यकीन नहीं करते हैं।

एकाकीपन के अंक - 3, 5 व 7

आपके लोशु चार्ट में 3, 5 व 7 अंकों की अनुपस्थिति है। अतः आप अपना ध्येय प्राप्त करने में इतने तत्पर होते हैं, कि आप अपने परिवार व इष्ट-मित्रों को भूल जाते हैं। जिसके फलस्वरूप आपके जीवन में आनंद, प्रेम व हंसी-खुशी का अभाव सा होता है। आपमें शारीरिक शक्ति कम होती है, इसलिए जल्दी बीमार पड़ जाते हैं। बड़ी उम्र में आप प्रायः एकाकीपन से अत्यधिक कष्ट सहते हैं, आप दूसरों के ऊपर विश्वास के बजाय किसी चीज को प्रदर्शित कर या सिद्ध कर दे खना पसंद करते हैं। आप लोग सामान्यतः धर्म के प्रति संकुचित विचार रखते हैं, तथा सामान्य रूप से आप अपने माता-पिता की मान्यता को स्वीकार करते हैं, तथा किसी रूप में इस सम्बन्ध में कोई प्रश्न नहीं करते, आप लोग प्रिय, ईमानदार एवं साफ सुथरे होते हैं, लेकिन दूसरों के सामने अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में कठिनाई महसूस करते हैं। आप आदर्शवादी होते हैं तथा आपमें दूरदर्शी की अद्भुत योग्यता होती है। जिससे आपमें पूर्वाभास की असीम क्षमता उत्पन्न हो जाती है।

जल तत्त्व - अंक 1

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की उपस्थिति है। जल बुद्धि और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है, जल लचीला है फिर भी मजबूत है, अभी भी बह रहा है। 1, अंक सूर्य से सम्बंधित है, जल शांत है फिर भी खतरनाक है। जल के लिए सतह केवल शुरुआत है, इसकी गहराई में छिपे वास्तविक चाल के साथ, जल तत्त्व वाले वे नहीं हैं, हालांकि आप अपनी खुद की कंपनी और आंतरिक प्रतिबिम्ब के लिए समय का आनंद लेते हैं। आप अक्षर शांत और शांति पूर्ण होते हैं, लेकिन दूसरों को अभिभूत करने की एक बड़ी क्षमता होती है, आप निडर, साहसी व स्वाभिमानी भी होते हैं। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं।

खूबियां- आप राजनैतिक कार्यों में कुशल, परिवार, समाज, राष्ट्र आदि सभी का नेतृत्व करने की आपें क्षमता होती है। तेज़ नज़र, सहानुभूति और अच्छे मध्यस्थ, दृढ़, सहज और लचीला, कोमल लेकिन मजबूत, और आप दूरदर्शिता के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां - स्व कृपालु, बहुत निष्क्रिय, दूसरों पर बहुत ज्यादा भरोसा करना, दुविधा में पड़े रहना, चिंतित रहना आदि अवगुण होते हैं।

पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी

गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति धनाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, जिद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

काष्ठ तत्व - अंक 3, 4

आपके लोथु चार्ट में काष्ठ तत्व की उपस्थिति है। काष्ठ उदार और विशाल होती है और दूसरों की गहराई से देखभाल करती है। बांस के साथ, काष्ठमजबूत होती है। फिर भी लचीली होती है और एक प्राकृतिक जन्म से नेता भी है। इसकी जड़ें पृथ्वी में गहरी खुदाई करती हैं, हालांकि, काष्ठ को जीवित रहने के लिए नमी की भी आवश्यकता होती है। काष्ठ की विशेषताएं अक्सर कामुकता और धैर्य से जुड़ी होती हैं। हालांकि, इसे संतुलित करने के लिए, काष्ठ घुसपैठ और आक्रामक भी हो सकता है। 3, अंक गुरु से और 4 अंक राहु से सम्बंधित है। ऐसे व्यक्ति लगातार विस्तार और आगे बढ़ने की तलाश में होते हैं। जटिल से जटिल कार्य को करने में सक्षम होते हैं। अपने काम को आसानी से निकाल लेते हैं।

खूबियां- यह काफी चतुर होते हैं, इनमें अच्छी समझ, गर्म, मिलनसार, दयालु, लचीला और अनुकूलनीय, स्थिर और व्यावहारिक, उदार होते हैं।

कमजोरियां - सीमाओं या सीमाओं की अच्छी समझ नहीं है, बहुत ज्यादा निष्क्रिय हो जाते हैं, दूसरों पर बहुत अधिक भरोसा कर लेते हैं।

धातु तत्व अंक - 6, 7 की अनुपस्थिति

आपके लोथु चार्ट में धातु तत्व की अनुपस्थिति है। अतः आप न तो किसी के अनुचित दबाव में रह सकते हैं और न कोई इनके विचारों पर हावी हो सकता है। आप स्वतंत्र निर्णय लेने वाले होते हैं। अनेक योजनाएं बनाते हैं। लेकिन उनको कार्यरूप नहीं दे पाते। विद्या प्राप्ति में भी कई बाधाएं आती हैं। सम्पत्ति एवं धन झगड़ों का सामना करना पड़ता है। आपमें ईर्ष्या की भावना दूसरों की अपेक्षा अधिक होती है। इनका झुकाव 2, 3, 4, 6, 9, अंक के स्त्री- पुरुषों की और अधिक होता है। इसमें 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। ये दोनों अंक धातु तत्व को दर्शाते हैं। इन दोनों अंकों की अनुपस्थिति सुखों में कमी लाने वाली है।

अग्नि तत्त्व - अंक 9

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्त्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालांकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालांकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालांकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। 9 अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रॉंग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमे निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और करिश्माई, सहज और साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।

कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृत्ति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

सूर्य 16 जुलाई से 16 अगस्त तक कर्क राशि में रहता है। कर्क राशि चंद्रमा की स्वयं की राशि है। 13 मई से 14 जून तक सूर्य वृष राशि में होता है, जो कि चंद्रमा की उच्च राशि है। अतः यह समय मूलांक दो के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

आपके लिए कोई भी नया या शुभ कार्य करने हेतु सोमवार, शुक्रवार तथा रविवार के दिन अच्छे सिद्ध हो सकते हैं। यदि इन्हीं वारों में आपके मूलांक की तारीख भी हो तो ऐसा दिन सभी कार्यों के लिये अच्छा रहेगा।

शुभ तारीखें

जब कभी आपको कोई महत्वपूर्ण कार्य करना हो, नया कार्य या व्यापार प्रारंभ करना हो, अथवा किसी को विशेष पत्र लिखना हो या किसी से विशेष कार्यवश मिलने जाना हो तो आप किसी भी मास की 2, 7, 9, 11, 16, 18, 20, 25, 27, एवं 29 तारीख को ये सारे कार्य करें। यदि इन तारीखों में आपका अनुकूल वार भी रहता है तो ऐसा दिन आपके कार्यों में प्रगति देने वाला रहेगा।

अशुभ तारीखें

आपके लिए अंग्रेजी मास की 5, 8, 14, 17, 23 एवं 26 तारीखें कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए ठीक नहीं रहेंगी। अतः इन तारीखों में सोच-समझ कर ही कोई शुभ कार्य करें।

मित्रता या साझेदारी

किसी से भी मित्रता करते समय यह देखना आपके हित में रहेगा कि यदि उसका जन्म अंग्रेजी मास की 2, 7, 9, 11, 16, 18, 20, 25, 27, एवं 29 तारीख को हुआ हो अथवा 13 मई से 14 जून एवं 16 जुलाई से 16 अगस्त के मध्य हुआ हो तो ऐसे व्यक्ति आपके लिए हितकारी सिद्ध हो सकते हैं।

प्रेम संबंध एवं विवाह

आपके लिए मूलांक 2, 7 एवं 9 प्रभावित महिलाएं अच्छी साथी सिद्ध हो सकती हैं। आपको चाहिए कि आप इन्हीं मूलांक वाली महिलाओं से मित्रता इत्यादि रखें, या ऐसी महिलाएं जिनका जन्म किसी भी मास की 2, 7, 9, 11, 16, 18, 20, 25, 27, एवं 29 तारीख को हुआ हो अथवा 13 मई से 14 जून एवं 16 जुलाई से 16 अगस्त के मध्य हुआ हो तो ऐसी महिलाएं हमेशा आपके अनुकूल रहेंगी।

अनुकूल रंग

आपको अपने वस्त्रों का चुनाव करते समय सफेद, काफूरी, हरा एवं अंगूरी रंगों का उपयोग अधिक मात्रा में करने पर वांछित लाभ प्राप्त होंगे। हो सके तो आप अपने कमरे के पर्दे, चादर, तकिया इत्यादि में इन रंगों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन रंगों का रुमाल तो हमेशा अपने पास रखना आपके लिए विशेष लाभप्रद रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपके लिए उत्तर-पश्चिम में वायव्य कोण स्थान में रहना शुभ रहेगा। जिस क्षेत्र में आप रहते हों, यदि वह वायव्य कोण में स्थित होगा तो अधिक अनुकूल रहेगा। मकान के नंबर का योग यदि 2, 7, या 9 आता हो तो ऐसा भवन आपके लिए अधिक सुविधाजनक रहेगा।

शुभ वाहन नं

आपके वाहन के पंजीकरण हेतु अपने मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल रखने वाले अंकों को लेना अच्छा रहेगा। आपका मूलांक 2 होने से आपके शुभ अंक 2,7,9 रहेंगे। यहां आपके वाहन इत्यादि के पंजीकरण क्रमांक के शुभ अंक भी रहेंगे, जैसे पंजीकरण क्रमांक 5231=2 इत्यादि। यात्रा के वाहनों में भी इन अंकों का उपयोग करें, जिसके फलस्वरूप आपकी यात्रा सुखमय रहेगी। अगर आप होटल आदि में कमरा इत्यादि लेते हैं तो उसके लिए भी यही नंबर 2,7,9 इत्यादि लें, जैसे कमरा 101 = 2। तभी आपके लिए वह कमरा अच्छा साबित होगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको कमजोरी, क्षीणता, उद्वेग, मस्तक पीड़ा, छोटी-छोटी दुर्घटना, हृदय रोग, संवेदनशीलता, भावुकता, स्नायु दुर्बलता, कब्ज, आंत रोग, मूत्र रोग, गैस रोग इत्यादि होंगे। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट तथा विपत्ति के समय आपको शिव उपासना पर बल देना चाहिए।

व्यवसाय

आपके लिए रोजगार-व्यापार हेतु ये क्षेत्र अनुकूल रहेंगे, जैसे द्रव्य पदार्थ, तैलीय कार्य, समुद्र यात्रा, मुख्यावास या उच्च स्थान प्राप्ति, पशु व्यवसाय, चीनी मिल, अन्न का व्यवसाय, तैराकी, रसपूर्ण पदार्थ, दूध, दही, घृत, कागज, जल, कृषि एवं चीनी के व्यवसाय एवं औषधि विक्रेता, भ्रमण कार्य, एजेंट, प्रतिनिधित्व, संपादन, लेखन, संगीत, अभिनय, नृत्य, भूप्रबंध, मकानों की ठेकेदारी, चिकित्सा, मोती, हार, मणि, माणिक्य, रत्न इत्यादि का क्रय विक्रय, पत्थर व भूगर्भ इत्यादि के कार्य।

व्रतोपवास

जिस दिन सोमवार को चित्रा नक्षत्र हो उस दिन से चंद्रमा का व्रत प्रारम्भ करें। विधान के अनुसार 54 सोमवार तक अथवा न्यूनतम सात सोमवार व्रत आवश्यक है। व्रत के

दिन श्वेत वस्त्र धारण करें एवं श्वेत वस्तुओं का दान करें तथा चंद्रमा के मंत्र का यथा शक्ति, मोती की माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

पांच रत्नी मोती आपके लिए प्रमुख रत्न है। यदि आप मोती धारण ना कर सकें तो मूनस्टोन, चंद्रमणि, दूधिया हकीक, सोमवार की सुबह दायें हाथ की कनिष्ठा अंगुलि में, चांदी की अंगूठी में जड़वा कर लाभ के चौघड़िया मुहूर्त में धारण करें।

अनुकूल देवता

आप चंद्रोपासना करें अथवा भगवान शिव की आराधना करें। भगवान शिव के पंचाक्षरी मंत्र ओम् नमः शिवाय का नित्य जप करें। प्रति सोमवार को कम से कम इक्कीस या एक सौ आठ बेल पत्र भगवान शिव को अर्पित करेंगे तो इस क्रिया को करने पर आप विभिन्न रोगों से समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो भगवान शिव के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपको चंद्र के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु चंद्र के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

चंद्र गायत्री मंत्र - अमृतांगाय विद्महे कलारूपाय धीमहि तन्नः सोमः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप चंद्र का ध्यान करें, मन में चंद्र की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

दधि शंख तुषाराभं क्षीरोदारणव संभवम्।
नमामि शशिनं भक्त्या शम्भोमुकुटभूषणम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ चंद्र को अनुकूल बनाने हेतु चंद्र के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ तीस माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ श्रौं श्रीं श्रौं सः चंद्रमसे नमः ॥ जप संख्या 13000 ॥

वनस्पति धारण

आप सोमवार के दिन एक इंच लंबी खिरनी की जड़ ला कर, सफेद ऊन के धागे में लपेट कर, गले या दाहिने हाथ में बांधे, स्वर्ण या तांबे ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे चंद्र ग्रह के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके प्रत्येक सोमवार को एक बाल्टी या बर्तन में पंच गव्य-चांदी, मोती, शंख, सीप और कुमुद आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ चंद्र का प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध, इन सबको मिला कर चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

चंद्र की शांति हेतु योग्य व्यक्ति के लिए चंद्र के पदार्थ, चावल, कपूर, सफेद वस्त्र, चांदी, शंख, वंशपात्र, सफेद चंदन, श्वेत पुष्प, चीनी, वृषभ, दधि, मोती आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

चंद्र को अनुकूल बनाए रखने हेतु चंद्र यंत्र को भोजपत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, चांदी की जंजीर या लाल धागे में, सोमवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।